जैविक सब्जी का उत्पादन कर अपनी आमदनी बढ़ा रहे किसान

प्रस्तावना - एक बहुत पुराना नुस्खा है, जब समस्या बहुत बढ़ जाए तो मूल की ओर लौटो। आज देश में किसानों के आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं ने साफ कर दिया है कि अब वक़्त मूल की ओर लौटने का है। इसका अर्थ यह है कि खेती तब भी होती थी, जब रासायनिक खाद और ज़हरीले कीटनाशक उपलब्ध नहीं थे। तब गोबर किसानों के लिए बेहतर खाद का काम करता था। नीम और हल्दी उनके लिए प्रभावी कीटनाशक थी, लेकिन बदलते वक़्त के साथ जैसे–जैसे रासायनिक खाद का उपयोग बढ़ा, किसानों की क़िस्मत भी उनसे रूठती चली गई। लेकिन एक बार फिर से शंकरगढ़ के किसानों ने अपनी क़िस्मत बदलने की ठान ली है। खेती को फायदे का सौदा बनाने के लिए वे जी–जान से जुट गए हैं। कृषि के क्षेत्र में एक बड़ी क्रांति धीरे–धीरे आकार लेने लगी है। यह क्रांति है जैविक खेतो की और इस क्रांति के नायक हैं शंकरगढ़ के वे किसान, जो BRLF- MGNREGA-SGVS से जुड़कर अपने खेतों में जैविक सब्जी पैदा कर रहे हैं। एसे ही एक प्रगतिशील किसान की ये कहानी है जो रासायनिक सब्जी की खेती को छोड़कर जैविक सब्जी पैदा कर रहे है और अपनी आय बढ़ाने के साथ ही जमीन की उर्वरा शक्ति को भी बचा रहे है

ये कहनी है शंकरगढ़ ब्लाक के सरगाव ग्रांम के सुबे टोप्पो की जो की आदिवासी जनजाति समुदाय से आते है,सूबे टोप्पो के परिवार में कुल 3 लोग है,टोप्पो जी की आमदनी का मुख्य जरिया कृषि और पशुपालन है,सूब टोप्पो के पास कुल 2.5 एकड़ जमींन है,जिमसे वो 1.5 एकड़ में सिर्फ रासायनिक तरीके से सब्जी की खेती करते थे|

रासायनिक तरीके से सब्जी पैदा करने का अनुभव- सूबे टोप्पो शुरू से ही 1.5 एकड़ में रासायनिक तरीके से सब्जी की खेती करते आ रहे है,टोप्पो जी करेला,बैगन,टमाटर,बरबटी,आलू,गोभी की खेती बड़े पैमाने पे करते है और उसको डेली बाज़ार में बेचते है,इन सब में सूबे जी का काफी पैसा कीटनाशक दवा पे खर्च होता था,जिससे की उनकी लागत काफी ज्यादा आती थी और बचत नाममात्र का होता था | टोप्पो जी ने सब्जी खेती से सम्बंधित निम्न बाते बताई

कुल भूमि (एकड़ में)	खेती करने योग्य भूमि	सब्जी की खेती (एकड़ में)	खरीफ सीजन (एकड़ में)	सब्जी का नाम	रबी सीजन (एकड़ में)	सब्जी का नाम	उपलब्ध संसाधन	वार्षिक व्यय सब्जी की खेती म (हजार में)	वार्षिक आय सब्जी की खेती से (हजार में)
2.5	2.5	1.5	1.5	करेला, टमाटर, बैगन, बरबटी,	1	गोभी, आलू, टमाटर,	बोरिंग,स्प्रे मशीन,मल्चिंग	30000	52000
नोट – वार्षिक व्यय में सब्जी बिज, कीटनाशक,और खाद का मूल्य शामिल है									

परिवर्तन का चरण - सूबे टोप्पो से टीम की मुलाकात सन 2020 अगस्त में किसान पाठशाल में हुआ,जहा पे टोप्पो जी अपने बैगन में कीड़े की समस्या को ले कर चर्चा कर रहे थे,और बताया की अब तक 3000 रूपए का कीटनाशक दवा बैगन के खेत डाल चुके है लेकिन कोई प्रभाव नही पड़ा, इनकी बातो की सुनकर SGVS टीम किसान पाठशाल में आये सभी किसानों ने टोप्पो के खेत का भ्रमण किया और बैगन में लगे बीमारी को देखा,टीम ने टोप्पो और आये हुए सभी किसान को बताया की ये फलछेदक एवं तनाछेदक रोग है इस बीमारी में जैविक दवा निमास्त्र का छिडकाव करेगे तो बचाव हो सकता है, टोप्पो जी को अगले दिन जैविक दवा टीम ने उपलब्ध कराया जिसका छिडकाव टोप्पो जी ने किया और 8 दिन बाद खुद फ़ोन कर टीम को धन्यवाद दिया, जैविक दवा के प्रयोग के बाद टोप्पो जी ने निर्णय लिया की वो अपने पुरे प्लाट में अब सब्जी की खेती जैविक तरीके से ही करेंगे| उनकी ये सोच देख के टीम ने उनके पास हांड़ी दवा, जीवामृत और निमास्त्र का बनवा दिया, आज के दिन टोप्पो जी पास 25 लीटर हांड़ी दवा,40 लीटर जीवामृत,और 5 लीटर निमास्त्र दवा उपलब्ध है जिसका प्रयोग टोप्पो जी अपने 1.5 एकड़ के पुरे प्लाट में करते है,टोप्पो जी को उद्यान विभाग से वेर्मी बेड भी मिल गया है जिससे बनी खाद का उपयोग अपने खेत में करते है|

जैविक खाद और दवा के उपयोग से सूबे की सब्जी की खेती का बजट काफी कम हो गया है जो की सूबे जी खुद बताते है,टीम से मिलने के बाद सूबे जी अब तक दो सीजन (रबी, खरीफ) का जैविक सब्जी उत्पादन कर चुके है,और उनके आमदनी और खर्च में काफी परिवर्तन आया है|

कुल भूमि (एकड़ में)	खेती करने योग्य भूमि	सब्जी की खेती (एकड़ में)	रबी सीजन (एकड़ में)	सब्जी का नाम	खरीफ सीजन (एकड़ में)	सब्जी का नाम	उपलब्ध संसाधन	वार्षिक व्यय सब्जी की खेती म (हजार में)	वार्षिक आय सब्जी की खेती से (हजार में)
2.5	2.5	1.5	1	गोभी, टमाटर,बैगन ,	1.5	करेला, टमाटर, बैगन, बरबटी,	बोरिंग,स्प्रे मशीन,मल्चिंग, वेर्मी बेड	10000	48500
	नोट – वार्षिक व्यय में सब्जी बिज, निम् तेल,गुड,बेसन,ड्रम,का मूल्य शामिल है								

सूबे टोप्पो जी ने बताया की जैविक खाद और दवा के उपयोग से उन्हें साल भर में लगभग 20000 रूपए का बचत हुआ है,जो की एक तरह से आमदनी है और सब्जी का उत्पादन भी कम नही हुआ|

भविष्य की योजना - सूबे टोप्पो अभी टीम के साथ 2. 5 डिसमिल में मल्टीलेयर से सब्जी की खेती की तैयारी कर रहे है, साथ ही अभी 0.5 एकड़ में गोभी और आलू लगा चुके है,टोप्पो जी टीम के प्रोत्साहित करने पे अपने 1. 5 एकड़ के प्लाट के मेड पे कटहल और मुनगा का पौधा लगाने जा रहे है जिसका फाइल उद्यान विभाग में जमा है, टोप्पो जी एक लीड फॉर्मर बन के उभरे है,जो की जैविक खेती का एक मुख्य चेहरा है,

Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω Ω